भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका

सेवा संवाद

वर्ष-19 अंक-5 वि. स. 2080 युगाब्द 5125 जुलाई-2023 वार्षिक चंदा 200/- मूल्य प्रति - 20/-

सदस्यता शुल्क : 12 वर्षीय चंदा - रू 2000/- संरक्षक सहयोग राशि - रू 5000/-

मार्गदर्शक :

- डॉ कृष्णगोपाल
  संस्थापक न्यासी
- श्री ब्रह्मदेव शर्मा 'भाई जी'
  संस्थापक न्यासी
- श्री ओमप्रकाश गोयल
  अध्यक्ष
- श्री राहुल सिंह
  सचिव/प्रबंध न्यासी

सम्पादक :

- डॉ शिवभूषण त्रिपाठी

सह-सम्पादक :

- राजेश

मुद्रक एवं प्रकाशक :

- जितेन्द्र कुमार अग्रवाल

प्रबंधक :

- विजय अग्रवाल

केन्द्रीय कार्यालय :

भाऊराव देवरस सेवा न्यास
सी-91, निराला नगर
लखनऊ-226020
दूरभाष : 0522-4001837,
मोबाइल : 9450020514
E-mail : bdsnyas@yahoo.co.in
web : www.bhaoraonyas.org

दिल्ली कार्यालय :

12/604, CWG Village,
Patparganj, N. Delhi-110092
E-mail: bdsnyas.dl@gmail.com
011-43306517, 9811068375

आलोक : प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के निजी विचार हैं। प्रकाशक एवं सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

जन्म- 10 जुलाई 1923 **पुण्यतिथि - 2 अगस्त 2005**

संकल्पव्रती जयगोपाल

संघ निष्ठ सेवा व्रती, राष्ट्र-भक्त मतिमान।
प्रखर बुद्धि वाणी मुखर, क्रियाशील गतिमान।।
धनी बीर संकल्प के, दिव्य आपका काम।
आदर श्रद्धा भाव से, तुम को नमन प्रणाम।।

- शिव

सेवा संवाद के संरक्षक, आजीवन सदस्य एवं अन्य पाठकगण

आपकी पत्रिका सेवा संवाद डिजिटल रूप में भी प्रकाशित की जा रही है। आप सभी से अनुरोध है कि डिजिटल संस्करण आपको नियमित मिलता रहे, उसके लिए अपना मोबाइल नंबर और ई-मेल आईडी जल्द से जल्द न्यास के ई-मेल आईडी –bdsnyas.dl@gmail.com पर प्रेषित करें।

यदि आप सेवा संवाद के ग्राहक नहीं हैं तो आप से अनुरोध है कि आप जल्द से जल्द सदस्यता लें और अपने मित्रों को भी सदस्यता दिलाएं।

पाठकों की कलम से - इस कॉलम के लिए पत्रिका के विषय में या भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों से सम्बंधित आपके अनुभव व सुझाव आमंत्रित हैं। अपना नाम, पता और मोबाइल भी जरूर दें।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास

सहकार निवेदन

पिछले 29 वर्षों में न्यास के सेवा कार्यों में जो उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, उसमें किसी न किसी रूप में आपका ही स्नेह सहयोग रहा है। न्यास के पास आर्थिक संसाधनों की बहुत कमी है। न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों का व्याप बढ़ाने के लिए न्यास के आय स्त्रोत को बढ़ाना होगा। न्यास द्वारा प्रस्थापित **कार्पस फण्ड** से प्राप्त होने वाली ब्याज राशि भी इस कार्य में प्रयुक्त होती है। अतः लक्ष्य तक पहुँचने हेतु कार्पस फण्ड भी बढ़ाना होगा। समाज सेवा के क्षेत्र में गौरव को बढ़ाने वाले इस महत कार्य में जन-जन का सहयोग एवं सहकार अपेक्षित है। आप सभी उदारमना सेवाभावी महानुभावों के सहकार से ही यह न्यास सेवारत है।

न्यास के सेवा कार्यों हेतु आप इस प्रकार से सहयोग कर सकते हैं-

1. **सचल चिकित्सा सेवा** - रु. 11,000 की मासिक धनराशि का सहयोग करके एक सेवा बस्ती में अपनी ओर से निःशुल्क चिकित्सा सुविधा एवं औषधि का वितरण कराना।
2. **नेत्र चिकित्सा सेवा** - रु. 5000 की धनराशि का सहयोग कर एक मोतियाबिन्द पीड़ित नेत्र रोगी का आपरेशन करवाकर उसे नेत्र ज्योति प्रदान कराना।
3. **विकलांग सहायता सेवा** - रु. 1,000 से 6,000 तक की राशि दे कर एक विकलांग बन्धु की सहायता में उसके लिए कृत्रिम अंग, उपकरण, बैसाखी, ट्राईसाइकिल, व्हील चेयर आदि की व्यवस्था कराना।
4. **कार्पस फण्ड (स्थायी निधि)-** रु. 10,000 से अधिक की धनराशि का अर्पण करके न्यास द्वारा संचालित सेवा कार्यों में उत्प्रेरक बनना।
5. **छात्रवृत्ति-** न्यास द्वारा जरूरतमंद छात्रों को वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है जिसमें आपका सहयोग अपेक्षित है। कक्षा के अनुसार छात्रवृत्ति इस प्रकार है - प्राथमिक: रु 3000, माध्यमिक (जू.हा.): रु 5,000, हाईस्कूल: रु 7,000, इण्टरमीडिएट: रु 8000, आई.टी.आई/डिप्लोमा एवं स्नातक: रु 10,000, परास्नातक: रु 12,000, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु: रु 15,000, इंजीनियरिंग: रु 18,000 और मेडिकल: रु 20,000 वार्षिक।
6. **सेवा चेतना (अर्द्धवार्षिक पत्रिका) -** रु. 2,000 की आजीवन (10 वर्षीय) सदस्यता ग्रहण करके तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।
7. **सेवा संवाद (मासिक)** - रू. 2,000 की 12 वर्षीय एवं रु. 5,000 की संरक्षक सदस्यता ग्रहण करके सहयोग करना तथा पत्रिका की विज्ञापन दरों के आधार पर अपनी क्षमतानुसार विज्ञापन के रूप में सहयोग करके सहायता करना।।
8. **माधव सेवा आश्रम** - रु. 5,00,000 का दान कर, एक कक्ष के निर्माण के द्वारा अपने किसी सम्बन्धी की स्मृति को स्थायी बनायें।
9. **विश्राम सदन दिल्ली** - दिल्ली में एम्स के निकट न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदन में प्रति बेड के लिए वार्षिक रु. 21,000 की कमी रहती है जिसके लिए सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक बेड के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
10. देवभूमि ऋषिकेश में प्रस्तावित **माधव सेवा विश्राम सदन** के भवन निर्माण हेतू अधिकाधिक सहयोग अपेक्षित है।
11. **अक्षय सेवा** - दिल्ली में एम्स एवं तीन अन्य अस्पतालों के निकट दोपहर में होने वाले भोजन वितरण के लिए रु. 6,000 (प्रतिदिन/प्रति अस्पताल) की सहायता राशि अपेक्षित है। आप एक या अधिक दिनों के लिए राशि प्रेषित कर सकते हैं।
12. **CSR फंड** - यदि आपकी फर्म CSR के अंतर्गत भी दान करती है तो कृपया न्यास से फोन या ईमेल द्वारा सम्पर्क करें।

न्यास को सेवा कार्यों के लिए दिया गया दान आयकर अधिनियम की धारा 80G(5) के अन्तर्गत नियमानुसार करमुक्त है। प्रत्येक दानदाता को अपना पता व पैन बताना अनिवार्य है। साथ ही आपसे अनुरोध है कि आप एक पत्र भी भेजें कि आप यह राशि न्यास को दान के रूप में दे रहे हैं। समाज के सेवा-कार्यों हेतु अनुरोध है कि न्यास को यथा सम्भव अधिकाधिक सहयोग करें।

दानराशि भेजने के विभिन्न माध्यम इस प्रकार हैं:

- चेक व ड्राफ्ट द्वारा जो, **भाऊराव देवरस सेवा न्यास** के पक्ष में **लखनऊ या दिल्ली** में देय हो, अपने पैन नं. व पते के साथ भेजें।
- अप्रवासी भारतीय भी FCRA के अन्तर्गत दान दे सकते हैं। उसके लिए फोन या मेल द्वारा सम्पर्क करें।
- दान की राशि आप सीधे न्यास के खाते में भी जमा कर पैन नं., फोन नं. व पते के साथ सूचित कर सकते हैं।
  - बैंक ऑफ इण्डिया, निराला नगर, लखनऊ - खाता सं. 6806100009948 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, डालीगंज, लखनऊ - खाता सं. 30448433657 (IFSC : SBIN0003813)
  - भारतीय स्टेट बैंक, सफदरजंग एंक्लेव, नई दिल्ली - खाता सं. 41171580896 (IFSC : SBIN0013182)

आशा है सेवा के इस पुनीत कार्य में आप सभी अवश्य सहभागी बनेंगे।

अपनी बात

भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च सम्मानित स्थान दिया गया है। गुरु को भगवान के समान या उससे भी बड़ा माना गया है। 'गुरुः साक्षात् परब्रह्म' कहा गया है। गुरु के विषय में सन्त कबीर जी ने कहा है-

'गुरु गोविन्द दोऊ खड़े, काके लागूँ पाँय। बलिहारी गुरु आपने, गोविन्द दियो बताय।।'

गुरु व्यक्ति के अन्दर निहित अज्ञानता दूर कर तथा महानता उत्पन्न कर उसे नर से नारायण बना देता है। यही कारण है कि दुनिया के लगभग सभी धर्मों में गुरु को सर्वोच्च प्रतिष्ठा का स्थान प्राप्त है और अपनी-अपनी रीति से लोग गुरु के प्रति सम्मान व पूजा का भाव व्यक्त करते हैं। भारतीय सनातन परम्परा में आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरुकुलों में विद्यार्थी अपने गुरु की पूजा करते थे। सम्भवतः इसी कारण यह पूर्णिमा, गुरुपूर्णिमा या आषाढ़ी के नाम से प्रसिद्ध है। महर्षि व्यास ने इसे और अधिक व्यापक स्वरूप प्रदान किया। इस कारण इसे व्यासपूर्णिमा भी कहते हैं। पूर्णिमा को किया गया व्रत और अनुष्ठान पूर्णतः सर्वसिद्धि प्रदान करता है। व्यास जी श्रेष्ठ विद्वान थे। वे जिस स्थान पर बैठकर प्रवचन करते वह स्थान व्यास गद्दी के रूप में प्रतिष्ठित हुई। आज भी प्रवचन या पूजा पाठ का स्थान विशेष अर्थात व्यास गद्दी बड़ी ही पवित्र व पूज्य मानी जाती है। व्यास जी महाभारत के रचयिता व सभी वेदों के संकलनकर्ता भी माने जाते हैं। इस दिन प्रत्येक कुल के लोग अपने-अपने कुल गोत्र के अनुसार अपने अपने गुरु की पूजा करते हैं और अपने सामर्थ्य के अनुसार श्रद्धासुमन-धनराशि भी समर्पित करते हैं। आज भी गुरुपूजा की यह परम्परा देश के कोने कोने में दृष्टि गोचर हो रही है।

सिक्ख पंथ में 'गुरु ग्रन्थ साहिब' के स्वरूप को एक जीवित गुरु मानकर अत्यन्त सम्मान के साथ उनकी पूजा व उपासना की जाती है। उनका मानना है कि सभी 10 गुरु अलग-अलग शरीरों में एक ही आत्मा थे। 'गुरु ग्रन्थ साहिब' उनका शाश्वत भौतिक और आध्यात्मिक रूप है। अस्तु सिक्ख समाज अपने सभी शुभ कार्य शादी-व्याह आदि 'गुरु ग्रन्थ साहिब' को साक्षी मान कर उनके सम्मुख सम्पन्न करते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में गुरु के स्थान पर भगवाध्वज की पूजा कर गुरुपूर्णिमा का उत्सव मनाया जाता है। उसी दिन या कुछ दिन आगे पीछे भी ध्वज का पूजन कर प्रत्येक स्वयंसेवक, वर्ष भर देश व समाज के प्रति समर्पित भावना से संचित की हुई धनराशि गुरु को श्री गुरुदक्षिणा के रूप में समर्पित करता है। वह प्रयास करता है कि अपने अन्दर त्याग, तपस्या तथा राष्ट्र के लिए सर्वस्वार्पण की भावना आये। अपना जीवन राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण हो तथा यह भाव हमारे जीवन के चौबीस घण्टे व्यवहार में प्रकट हो। 'राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम्'। अर्थात् मेरा जीवन, मेरी शक्ति, सामर्थ्य, ज्ञान, ऐश्वर्य, अपना व्यक्तित्व व कृतित्व तथा जीवन का क्षण-क्षण व रक्त का कण-कण और अपनी सभी धन सम्पदा आदि सभी कुछ राष्ट्र के कल्याण के काम में आये। ऐसा भाव जब प्रत्येक व्यक्ति में होगा तभी हमारा यह राष्ट्र शक्तिशाली बनकर, सुखी-सम्पन्न हो सकेगा। गुरुपूर्णिमा पर्व पर यह संदेश सभी एक दूसरे तक पहुंचाने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं। संघ 'परस्पर देवोभव' की भावना से सबको यथोचित आदर सम्मान करने के लिए प्रेरित करता है परन्तु गुरुपद पर किसी व्यक्ति विशेष की पूजा के पक्ष में नहीं है। उचित भी है, क्योंकि व्यक्ति जब तक जीवित है कभी भी उसका स्खलन हो सकता है। अतः तत्वरूप में जिसमें ऐसे सारे महान व्यक्ति, श्रेष्ठ इतिहास, परम्परा, संस्कृति, त्याग, तपस्या आदि सम्पूर्ण महानता छिपी है, जो यज्ञ की ज्वाला का प्रतीक, यज्ञ के समान पवित्र व श्रेष्ठ है तथा भगवद्स्वरूप है। ऐसे प्रेरणास्रोत भगवाध्वज को गुरु मानना अधिक श्रेष्ठ है। हम सभी राष्ट्रीय प्रतीक भगवाध्वज का सम्मान करें इसी आशा आकांक्षा के साथ यह अंक आप को समर्पित है।

@ शिव

पर्यावरण संरक्षण / वृक्षारोपण

हम सभी जिस वातावरण में रहते हैं वह अत्यधिक प्रदूषित हो गया है। पूरा विश्व इस समस्या से जूझ रहा है और इसके उपाय ढूँढने का प्रयास कर रहा है। वायु प्रदूषण को कम करने का एक कारगर उपाय है पेड़ लगाना। **5** जून को विश्व पर्यावरण दिवस था। इस निमित्त भाऊराव देवरस सेवा न्यास ने इस वर्ष देश के विभिन्न स्थानों पर तीस हजार से अधिक पेड़ लगाने की योजना की है। साथ ही सभी बंधुओं से अनुरोध किया कि वे अपने आस पास उपयुक्त स्थानों पर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की योजना करें। अपने मित्रों और सम्बन्धियों को भी इस अभियान में साथ जोड़ने का आग्रह किया गया। इसका एक सुपरिणाम यह रहा कि न्यास की योजना से चल रहे विभिन्न प्रकल्पों ने वृक्षारोपण के इस अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और वृक्षारोपण के चित्र भी साझा किए।

पर्यावरण का रखें ध्यान, तभी बनेगा देश महान

यह प्रेरणा लेते हुए पर्यावरण दिवस के अवसर पर न्यास के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष और दिल्ली विश्राम सदन के संयोजक श्री रामअवतार क़िला जी एवं एम्स से उप अभियन्ता श्री संजय कुमार जैन जी ने सदन के साथियों के साथ मिलकर सदन के पार्श्व भाग में आम, जामुन व एरोक्केरिया के वृक्ष लगाकर पर्यावरण के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

समर्थ भारत के सह-संयोजक श्री राकेश जी ने भी अन्य साथियों के साथ मिलकर अनेक पौधे लगाए।

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ की बालिकाओं ने भी पर्यावरण की रक्षा के लिए वृक्षारोपण में भाग लिया और पर्यावरण की रक्षा करने की शपथ ली।

महामना शिक्षण संस्थान की बालिकाएं पौधे लगाते हुए।

न्यास से जुड़े अनेक कार्यकर्ताओं ने व्यक्तिगत स्तर पर भी वृक्षारोपण में भाग लिया।

ऋषिकेश में निर्माणाधीन माधव सेवा विश्राम सदन के परिसर में वृक्षारोपण की योजना की गई है ताकि वहां रहने वाले रोगियों और उनके परिचारकों को शुद्ध वातावरण मिल सके।

माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश

ऋषिकेश में एम्स के निकट निर्माणाधीन माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। तीसरे तल की छत डालने के पश्चात अब चौथे और अंतिम तल की छत डालने की तैयारी है और आगामी जुलाई मास में यह पूर्ण हो जाएगा। साथ ही बिजली फिटिंग का करार एक कंपनी के साथ हो गया है और कार्य भी प्रारम्भ हो गया है। पानी की फिटिंग का करार भी जल्द ही हो जाएगा और कार्य प्रारम्भ होगा।

श्री अजय शेखर शर्मा जी का आगमन हुआ। वे कुछ समय ही निर्माण स्थल पर रुके। वे निर्माण कार्य की प्रगति को देख कर अत्यंत प्रभावित हुए। उन्होंने विसिटर्स बुक में भी अपने उदगार व्यक्त किए।

400 बिस्तरों वाले इस विश्राम सदन के बनने से एम्स ऋषिकेश में उपचार हेतु आने वाले हजारों रोगियों को लाभ मिलेगा। उनके लिए रहने और खाने-पीने की अच्छी और सस्ती सुविधा उपलब्ध होगी।

सौभाग्य का विषय है कि हमारे न्यास के संरक्षक, ऋषिकेश प्रकल्प के प्रेरणा स्त्रोत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के माननीय सहसरकार्यवाह डॉक्टर कृष्णगोपाल जी का ऋषिकेश प्रकल्प पर निरीक्षण के लिए इस माह में आगमन हुआ। उन्होंने पूरे निर्माण कार्य का अवलोकन किया। उनके साथ एम्स ऋषिकेश के ट्रामा सेंटर के प्रमुख डॉ मधुर उन्याल भी थे।

न्यास की योजना पूरे परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पेड़ लगाए जाने की है। इसके लिए स्थान भी चिन्हित किये जा रहे हैं। शीघ्र ही एक कार्यक्रम का आयोजन कर विभिन्न महानुभावों के हाथों वृक्षारोपण किया जाएगा।

अगले वर्ष के प्रारम्भ में इस भवन का लोकार्पण करने की न्यास की योजना है।

आपका सहकार

भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संघ के द्वितीय सरसंघचालक परमपूजनीय माधव राव जी गोलवलकर की स्मृति में देवभूमि ऋषिकेश में एम्स अस्पताल के निकट माधव सेवा विश्राम सदन का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस सदन का उपयोग साधु संतों, एम्स ऋषिकेश में उपचार के लिए आने वाले रोगियों व उनके सहायकों द्वारा किया जाएगा। यह कार्य आपका अपना ही है, इसे अनुभव करते हुए आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप उदार ह्रदय से इस सेवा प्रकल्प हेतु यथा संभव सहयोग करें। आपके द्वारा दी गई राशि 80-G के अंतर्गत छूट प्राप्त है। आप CSR फंड के अंतर्गत भी सहयोग कर सकते हैं। आपका यही सहयोग निर्मित होने वाले इस विश्राम सदन के शीघ्रातिशीघ्र साकार रूप लेने में सहायक होगा।

आपके परिवार में सुख-समृद्धि के लिए शुभकामनाएं।

भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीय सचिवालय, नई दिल्ली

A/C: 40692412361
IFSC : SBIN0000625

आर्थिक सहयोग के लिए आवश्यक जानकारी :

MCA में न्यास की CSR पंजीकरण संख्या **CSR00004454**
80G में न्यास की पंजीकरण संख्या **AAATB1049GF20217**
न्यास की FCRA पंजीकरण संख्या **136550134**

21 जून - विश्व योग दिवस

भारत की पहल पर पूरे विश्व में 21 जून को योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। लगभग 150 देशों में इस दिवस पर विशेष आयोजन होते हैं। अपने न्यास के विभिन्न प्रकल्पों ने भी इस दिन योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किये गए।

- दिल्ली में विश्राम सदन में अनेकों परिचारकों ने सदन के कर्मचारियों के साथ मिलकर योगाभ्यास किया। अब यहाँ योग की नियमित कक्षा प्रारम्भ हो गई है और रोगियों के परिचारक इसमें अत्यंत उत्साह से भाग लेते हैं। एक प्रशिक्षक के आने से सभी के मन में इस कक्षा के लिए उत्साह रहता है।
- समर्थ भारत के विभिन्न केन्द्रों पर प्रशिक्षार्थियों और प्रशिक्षकों ने बड़े उत्साह से योग क्रियाएं कीं।
- योगदिवस के अवसर पर KVIC के प्रिन्सिपल डा बलराम दीक्षित जी ने समर्थ भारत के आई.एन.ए. सैण्टर पर आकर शिक्षार्थियों के साथ योगाभ्यास किया। उन्होंने अपने सम्बोधन में योग को नित्यकर्म में जोड़ने का आग्रह किया। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षार्थियों को रोजगार करने के स्थान पर अपना स्वयं का रोजगार प्रारम्भ करने का आग्रह किया।
- लखनऊ में महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प की छात्राओं ने मिलकर योगाभ्यास करते हुए यह दिन मनाया।
- लखनऊ स्थित माधव सेवा आश्रम में जून मास में योग की नियमित कक्षा प्रारम्भ की गई है। एक शिक्षक प्रतिदिन आकर ये कक्षा लेते हैं और अनेक परिचारक बड़े उत्साह से इसमें भाग लेते हैं।

लक्ष्मीबाई केलकर ने रूढ़िग्रस्त समाज से जमकर टक्कर ली। उन्होंने अपने घर में हरिजन नौकर रखे। गाँधी जी द्वारा दान करने की अपील पर उन्होंने अपनी सोने की जंजीर ही दान कर दी।

उनके बेटों ने संघ की शाखा पर जाना शुरू किया तो लक्ष्मीबाई केलकर के मन में संघ के प्रति आकर्षण जागा और उन्होंने डॉ. हेडगेवार से भेंट की। उन्होंने 1936 में 'राष्ट्र सेविका समिति' की नींव रखी। दस साल के निरन्तर प्रवास से समिति के कार्य का अनेक प्रान्तों में विस्तार हुआ। सब उन्हें 'वन्दनीया मौसीजी' कहने लगे। देश की स्वतन्त्रता एवं विभाजन से एक दिन पूर्व वे कराची, सिन्ध में थीं। उनकी मृत्यु 1978 में हुई।

विश्राम सदनों में

पटना विश्राम सदन में सुन्दर काण्ड के पाठ का आयोजन

न्यास द्वारा संचालित विश्राम सदनों में समय समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिनसे वहां रह रहे परिचारकों को मानसिक शांति मिल सके और वे अस्पताल के तनाव से मुक्त हो सकें। इसी कड़ी में 20 जून सायं में पटना स्थित विश्राम सदन में सुंदर काण्ड पाठ का आयोजन हुआ। इस शुभ अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक श्री रामनवमी जी, क्षेत्र कार्यवाह श्री मोहन जी सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता एवम अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। परिचारकों सहित कुल 100 से अधिक लोगों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इसी दिन सदन में श्रद्धेय भाऊराव देवरस जी की जीवनी सहित उनके चित्र का अनावरण किया गया। क्षेत्र कार्यवाह श्री मोहन जी ने भाऊराव देवरस जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

झज्जर (हरियाणा) विश्राम सदन में भजन व गीत

श्री अमन भाटिया जी द्वारा प्रत्येक सोमवार और बुधवार को विश्राम सदन झज्जर में रोगियों और परिचारकों को गिटार के साथ भजन और गीत द्वारा सुकून प्रदान करते हैं। रोगी भी वहीं आकर बैठ जाते हैं और डूब जाते है गीतों के सागर में। सभी पार्क में उनके आने की प्रतीक्षा करते हैं।

दिल्ली विश्राम सदन में भजन

दिल्ली विश्राम सदन में भजन संध्या का नियमित आयोजन प्रारम्भ हुआ है। सदन में उपस्थित रोगी व उनके सहयोगी बड़े उत्साह से इस कार्यक्रम में भाग लेते हैं। अस्पताल की तनाव भरी स्थिति से उन्हें मुक्ति दिलाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम अति आवश्यक हैं ताकि उनकी मानसिक स्थिति ठीक रहे और वे मानसिक रूप से कमजोर न हों। भजन संध्या के नियमित आयोजन का बहुत अच्छा प्रभाव दिखाई दे रहा है। भजन के साथ साथ छोटे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से इनडोर खेलों की भी व्यवस्था सदन में है।

अग्नि शमन यंत्रों के विषय में जानकारी और सजगता

न्यास के विभिन्न प्रकल्पों के अपने या किराए के भवन हैं जहाँ कार्यकर्ता, कर्मचारी और कुछ स्थानों पर अन्य लोगों का भी आना व रहना होता है। इन भवनों में आवश्यक और उचित मात्रा में अग्नि शमन यंत्रों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूछताछ की प्रक्रिया प्रारम्भ की गई। ऐसे सभी केन्द्रों से वहाँ पर इस सम्बन्ध में किए गए प्रबंधों की जानकारी ली गई। लगभग प्रत्येक भवन में कुछ न कुछ व्यवस्था है।

साथ ही सभी से आग्रह किया गया कि किसी अग्नि-शमन अधिकारी को बुलाकर एक कार्यशाला का आयोजन करें जहाँ सभी कर्मचारियों को आग लगने की स्थिति से कैसे निबटना, इस विषय में प्रशिक्षण दिया जाए। ऐसे प्रशिक्षण नियमित अंतराल पर होते रहें इसका भी आग्रह किया गया। दिल्ली में स्थित विश्राम सदन में ऐसी ही कार्यशाला का आयोजन 23 जून को हुआ जिसमें अग्नि-शमन अधिकारी श्री अशोक शर्मा जी ने सभी को विस्तार से समझाया। इस सदन में पहले भी इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन हुए हैं।

पटना विश्राम सदन में भी ऐसी ही कार्यशाला का आयोजन जुलाई में हुआ है।

समर्थ भारत - दिल्ली

दिल्ली में विभिन्न स्थानों पर युवाओं को अलग-अलग विधाओं का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाने का कार्य समर्थ भारत द्वारा पिछले 2 वर्षों से किया जा रहा है। इसके माध्यम से सैकड़ों युवा लाभान्वित हो चुके हैं। जून मास में समर्थ भारत में विभिन्न केन्द्रों की गतिविधियों की जानकारी नीचे दी गई है।

पश्चिम विहार केंद्र का उद्घाटन समारोह – 11 जून को पश्चिम विहार में एक नए केंद्र में ब्यूटिशियन कोर्स का शुभारंभ हुआ जिसमें 20 प्रशिक्षार्थियों का पंजीकरण हुआ। यह केंद्र स्वदेशी जागरण मंच और सुता फाउंडेशन के सहयोग से चलाया जा रहा है।

प्रमाणपत्र वितरण (KVIC प्रमाणपत्र) –

- ब्यूटीशियन बैच 2 - कड़कड़डूमा केंद्र – 19 जून को 25 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र दिए गए।
- ए सी और रेफ्रीजिरेटर बैच 1 - ब्लॉक 36 त्रिलोकपुरी केंद्र – 23 जून को 16 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

कटिंग और टेलरिंग बैच 3 - एक्स्ट्रा ब्लॉक 31 त्रिलोकपुरी केंद्र – इस केंद्र में प्रशिक्षण पूर्ण करने वाली 6 प्रशिक्षार्थियों को 27 जून को समर्थ भारत का प्रमाण पत्र वितरित किया गया। इस उपलक्ष्य में मा. जिला संघचालक श्री वीरेश जी व अन्य प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मालवीय नगर केंद्र का उद्घाटन समारोह – 28 जून को समर्थ भारत के मालवीय नगर केंद्र के होम अप्लायंसेस व ए.सी. फ्रिज रिपेयर कोर्स का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर प्रान्त कार्यवाह श्री भारत भूषण जी ने उपस्थित समाज के गणमान्य लोगों को समर्थ भारत के कार्यों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने समाज को समर्थ भारत का सहयोग करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में उपस्थित शिक्षार्थियों को पूर्व में प्रशिक्षित शिक्षार्थियों की उपलब्धि के विषय में बताया गया। इस कोर्स हेतु 12 बंधुओं का पंजीकरण हो चुका है।

KVIC से प्रिंसिपल का केंद्र पर आगमन - समर्थ भारत के INA प्रशिक्षण केंद्र पर 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें ब्यूटी बैच के 17 और AC बैच के 10 शिक्षार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर समर्थ भारत के सह-संयोजक श्री राकेश जी ने योग क्रिया करवाई। KVIC के प्रिंसिपल डॉ. बलराम दीक्षित जी ने योग दिवस का महत्त्व और योग की जीवन में उपयोगिता बताई। साथ ही, KVIC के प्रशिक्षण कोर्स की सूची में घरेलू उपकरण कोर्स जोड़ने का आश्वासन दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वरोजगार करने के लिए प्रेरित किया।

KVIC द्वारा प्रमाणन हेतु जून माह में चले प्रशिक्षण कोर्स –

- मधुविहार प्रशिक्षण केंद्र – ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1, प्रशिक्षक – श्रीमती निधि दीक्षित जी, प्रशिक्षार्थी – 23, प्रशिक्षण अवधि – 24 अप्रैल से 23 जुलाई।
- टैंक रोड प्रशिक्षण केंद्र – ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 4, प्रशिक्षक – श्रीमती शालिनी जी, प्रशिक्षार्थी – 20, प्रशिक्षण अवधि – 08 मई से 07 अगस्त।
- INA प्रशिक्षण केंद्र – ए सी और रेफ्रीजिरेटर कोर्स बैच – 2, प्रशिक्षक – श्री संजीव जी, प्रशिक्षार्थी – 14, प्रशिक्षण अवधि – 16 मई से – 15 जून।
- INA प्रशिक्षण केंद्र – ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 2, प्रशिक्षक – सुश्री अंजली जी, प्रशिक्षार्थी – 20, प्रशिक्षण अवधि – 19 जून से 18 सितम्बर।
- संगम विहार प्रशिक्षण केंद्र – ए सी और रेफ्रीजिरेटर कोर्स बैच – 1, प्रशिक्षक – श्री निर्मलेंदु जी, प्रशिक्षार्थी – 24, प्रशिक्षण अवधि – 19 जून से – 18 जुलाई।
- पश्चिम विहार प्रशिक्षण केंद्र – ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1, प्रशिक्षक – श्रीमती मिथिलेश जी, प्रशिक्षार्थी – 20, प्रशिक्षण अवधि – 03 जुलाई से 02 अक्टूबर।

समर्थ भारत द्वारा प्रमाणन हेतु जून माह में चले प्रशिक्षण कोर्स –

- पहाड़गंज प्रशिक्षण केंद्र – GST & Tally कोर्स बैच – 2, प्रशिक्षक – श्री नितिन गोला जी, प्रशिक्षार्थी – 11, प्रशिक्षण अवधि – 01 अप्रैल से – 30 जून।
- पहाड़गंज प्रशिक्षण केंद्र – ब्यूटीशियन कोर्स बैच – 1, प्रशिक्षक – श्रीमती निशा गोला जी, प्रशिक्षार्थी – 10, प्रशिक्षण अवधि – 01 मई से 31 जुलाई।
- पहाड़गंज प्रशिक्षण केंद्र – बेसिक कम्पूटर कोर्स बैच – 1, प्रशिक्षक – श्री रोहन जी, प्रशिक्षार्थी – 15, प्रशिक्षण अवधि – 08 मई से 07 अगस्त।
- सिग्नेचर ब्रिज प्रशिक्षण केंद्र – ए सी और रेफ्रीजिरेटर कोर्स बैच – 1, प्रशिक्षक – श्री संजीव जी, प्रशिक्षार्थी – 06, प्रशिक्षण अवधि – 08 मई से 07 जून।
- मालवीय नगर प्रशिक्षण केंद्र – होम अप्लायंस कोर्स बैच – 1, प्रशिक्षक – श्री तरणदीप जी, प्रशिक्षार्थी – 10, प्रशिक्षण अवधि 20 जून से 19 जुलाई।

21 जून को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस – इस अवसर पर हमारे सभी प्रशिक्षण केन्द्रों पर योग के कार्यक्रम हुए।

समर्थ भारत प्रकल्प की जानकारी

		जून 2023 में पूर्ण			वर्ष 2023 - 24 (अप्रैल से जून)				
क्र.	ट्रेनिंग का नाम	बैच	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	बैच	प्रशिक्षक	प्रशिक्षार्थी	स्वरोजगार	रोजगार
1	ए.सी. - फ्रिज रिपेयरिंग	3	3	26	5	5	65	3	12
2	ब्यूटिशियन				1	1	21		3
3	हेयर स्टाइलिस्ट								
4	जी.एस. टी. – टैली	1	1	11	1	1	11		1
5	मोबाईल रिपेयरिंग								
6	सिलाई – कटाई				1	1	6		2
	कुल योग	**4**	**4**	**37**	**8**	**8**	**103**	**3**	**18**

महामना शिक्षण संस्थान

न्यास की योजना से संचालित महामना शिक्षण संस्थान द्वारा मेधावी व आर्थिक दृष्टि से पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राओं को 11वीं-12वीं के साथ मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश के लिए परीक्षा की तैयारी कराई जाती है।

संस्थान द्वारा आईआईटी जेईई एवम नीट की तैयारी हेतु वर्ष 2023-25 के बैच में प्रवेश पाने के लिए आवेदन वेबसाइट पर 23 अप्रैल को सूचना देकर मंगवाए गए थे। फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 28 मई थी।

प्रवेश परीक्षा 4 जून 23 को सरस्वती विद्या मंदिर अलीगंज में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

बालक प्रकल्प के लिए कुल 268 फार्म प्राप्त हुए जिनमें से 212 छात्र उपस्थित हुए। इनमें IIT JEE के लिए 166 और NEET के लिए 46 छात्र थे।

बालिकाओं में कुल 137 में से 117 फार्म सही पाए गए और उन्हें प्रवेश परीक्षा के लिए बुलाया गया। इनमें IIT JEE के लिए 61 और NEET के लिए 56 बालिकाएं थीं।

इस परीक्षा का परिणाम 14 जून को website पर upload किया गया।

॥ ॐ ॥

महामना शिक्षण संस्थान

(माऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा संचालित)

स्वागत समारोह– नूतन सत्र (2023–24)

आदरणीय अभिभावक एवं बन्धु,

महामना शिक्षण संस्थान के नूतन सत्र अभिनन्दन एवं पूर्व विदायी अलंकरण समारोह में आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं।

मुख्य अतिथि

प्रो० टी.एन. सिंह

निदेशक

आई.आई.टी., पटना

मुख्य वक्ता

मा० अनिल जी

क्षेत्र प्रचारक

पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र

विशिष्ट अतिथि

डा० वंदना सहगल

डीन, ए.के.टी.यू.

–: तिथि, समय, स्थान :–

दिनांक : 2 जुलाई 2023 दिन रविवार की सायं 2000 अभ्यर्थ कुल महुत्सी

समय : पूजा एवं स्वल : अपरान्ह 2 बजे से 3 बजे तक

मंच कार्यक्रम : सायं 3 बजे से

स्थान : आडिटोरियम, माधीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, रायबरेली रोड, मेडिकल हॉस्पिटल के समीप, सेंट्रल रोड, लखनऊ

निवेदक :

डा० अनिमा उपाध्याय — संयोजिका, बालिका प्रकल्प

संजीव त्रिपाठी — सचिव, महामना शिक्षण संस्थान

राहुल सिंह — सचिव, माऊराव देवरस सेवा न्यास

ओम प्रकाश गोयल — अध्यक्ष, माऊराव देवरस सेवा न्यास

महामना शिक्षण संस्थान (माऊराव देवरस सेवा न्यास) परिवार

सम्पर्क सूत्र- 9873439945, 9628330347, 9794029484

नोट : 1. कृपया समय से 10 मिनट पूर्व स्थान ग्रहण कर लें।

2. कृपया कार्यक्रम की पत्रावली समारोह लेकर जायें।

साक्षात्कार : दिनांक 17/18 जून को अर्जुनगंज में साक्षात्कार के लिए कुल 35 बालिकाओं (IIT JEE के लिए 20 और NEET के लिए 15) और 71 बालकों (IIT JEE के लिए 55 और NEET के लिए 16) को बुलाया गया।

साक्षात्कार में कुल 65 बालक (IIT JEE के लिए 50 और NEET के लिए 15) उपस्थित हुए और कुल 33 बालिकाएं (IIT JEE के लिए 20 और NEET के लिए 13) उपस्थित हुईं।

साक्षात्कार के बाद कुल 24 बालकों और 13 बालिकाओं का चयन हुआ। सभी सफल शिक्षार्थियों के घर जाकर निरीक्षण किया गया और नामों को अंतिम रूप दिया गया।

दिनांक 3 जुलाई को भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के सभागार में नूतन सत्र के सभी शिक्षार्थियों का स्वागत समारोह आयोजित हुआ जिसमें IIT पटना के निदेशक प्रो. टी.एन. सिंह मुख्य अतिथि और मा. क्षेत्र प्रचारक श्री अनिल जी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इसकी चित्र सहित विस्तृत जानकारी सेवा संवाद के अगले अंक में प्रकाशित होगी।

महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प की कुछ अन्य गतिविधियाँ

- दिनांक 3 जून को बालिका प्रकल्प की बालिकाओं को भाऊराव देवरस न्यास अध्यक्ष आदरणीय ओमप्रकाश गोयल जी का मार्गदर्शन और आशीर्वाद प्राप्त हुआ। आ. गोयल जी ने बालिकाओं से उनके छात्रावास में भेंट करके उनके लक्ष्यों, आकांक्षाओं, दैनिक कार्यकलापों आदि पर विस्तृत चर्चा की तथा उन्हें जीवन मूल्यों पर दृढ़संकल्प रहकर आगे बढ़ने को प्रेरित किया।

- प्रकल्प की बालिकाओं के लिए अन्य गतिविधियों के अन्तर्गत विविध कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। दिनांक 5 जून को परम आदरणीय गोलवलकर जी के परिनिर्वाण दिवस पर बालिकाओं ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

- 5 जून को ही विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में बालिकाओं ने पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली।
- सब इंस्पेक्टर, गौतम पल्ली थाना द्वारा दिनांक 13 जून को महिलाओं की सुरक्षा एवं अधिकार तथा उनकी समस्याओं का निराकरण के संबंध में बैठक, बालिका छात्रावास बिल्डिंग के बेसमेंट हॉल में आयोजित की गई। अन्य पुलिसकर्मियों के साथ अपर पुलिस आयुक्त महोदय श्री अरविंद कुमार वर्मा जी ने सभी छात्राओं को महिला सुरक्षा अधिकार के बारे में विस्तार से बताया कि किस प्रकार महिलाएं अपनी सुरक्षा कर सकती हैं। उन्होंने हेल्पलाइन नंबर से भी अवगत कराया। सभी बालिकाओं ने उत्साह पूर्वक जानकारी प्राप्त की।

- विश्व योग दिवस के अवसर पर 21 जून को बालिका छात्रावास में प्रकल्प की बालिकाओं हेतु सुश्री काजल ओझा जी द्वारा योगाभ्यास सत्र आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने दैनिक जीवन में योग के महत्व पर चर्चा की तथा बालिकाओं को योग आसनों का अभ्यास कराया।

बालिकाओं के सर्वांगीण विकास के लिए प्रकल्प प्रयत्नशील है।

अक्षय सेवा प्रकल्प - दिल्ली

न्यास की योजना से अक्षय सेवा प्रकल्प के माध्यम से दिल्ली में 4 अस्पतालों के निकट पिछले 6 वर्ष से अधिक समय से जरूरतमंदों को दोपहर के भोजन का वितरण किया जा रहा है। इन केन्द्रों की संख्या बढ़ाने को हम प्रयत्नशील हैं। पिछले 6 वर्षों में अनेक बार वर्षा ने हमारे कार्यकर्ताओं की परीक्षा ली है जिसमें वे हमेशा उत्तीर्ण हुए हैं। गत 30 जून को भी भयंकर वर्षा के बीच भी वितरण करने आये हुए महानुभाव और प्रकल्प के कर्मचारी, सभी ने धैर्य पूर्वक भोजन वितरण में भाग लेकर अपनी संकल्प-दृढ़ता का परिचय दिया। उनका यह दृढ़ निश्चय ही समाज के लिए सेवा भाव का एक उत्कृष्ट उदाहरण है।

भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान 2023-24 हेतु प्रविष्टि आमंत्रित

न्यास द्वारा प्रति वर्ष भाऊराव देवरस स्मृति सेवा सम्मान दिया जाता है। इसके माध्यम से प्रतिवर्ष दो ऐसी विभूतियों या संस्थाओं को सम्मानित किया जाता है जो समाज में विभिन्न प्रकार से सेवा के कार्य में लगे हैं और समाज में उस कार्य का प्रतिफल दिखाई देता है। सेवा सम्मान के रूप में रु. दो लाख 51 हजार की धनराशि भी दी जाती है। इस वर्ष की योजना में निम्न कार्य-क्षेत्र में कार्यरत दो व्यक्तियों या संस्थाओं को सम्मानित करने का निर्णय हुआ है।

कुष्ठ रोगियों एवं वेश्याओं के बच्चों को स्वावलंबी/आत्मनिर्भर बनाना या सुदूर पिछड़े क्षेत्र में सेवा कार्य करना

अर्थात् ऐसे व्यक्ति या संस्था अपनी प्रविष्टि भेज सकते हैं जो शिक्षा और प्रशिक्षण के माध्यम से कुष्ठ रोगियों एवं वेश्याओं के बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने या सुदूर पिछड़े क्षेत्र में सेवा का कार्य कर रहे हैं।

अतः न्यास आप सभी से आग्रह करता है कि यदि आप या आप की संस्था उपरोक्त कार्य-क्षेत्र में कार्यरत है तो सम्बंधित विस्तृत विवरण (जैसे - कब शुरू हुआ, हर वर्ष लाभान्वित, अब तक लाभान्वित, साहित्य, चित्र आदि) को न्यास को भेजने की कृपा करें। प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 15 सितम्बर 2023 है।

पता : **भाऊराव देवरस सेवा न्यास**, 12/604, CWG Village, पटपड़गंज, नई दिल्ली-110092, फोन: 9811068375

संपर्क सूत्र : दूरभाष - 9811068375 ● ई-मेल - bdsnyas.dl@gmail.com

पावन स्मृति - अप्रैल

पुण्य भूमि भारत में जन्म लेकर जिन्होंने जीवन पर्यन्त मानव की सेवा की और मानवता की रक्षा में अपना सर्वस्य समर्पित कर कीर्तिमान स्थापित किया,अपने बहुआयामी कार्यों द्वारा जीवन के विविध क्षेत्रों में आलोक स्तम्भ बनकर हमारा मार्गदर्शन किया तथा जो आज भी हमारे प्रेरणा स्त्रोत हैं ऐसे उन सभी दिव्य महापुरूषों की पावन स्मृति में श्रद्धा सुमन समर्पित हैं।

दिनांक	दिवस	महापुरूषों का नाम
1 जुलाई 1882	जन्म-दिवस	भारत रत्न डॉ. विधानचन्द्र राय
3 जुलाई 1902	जन्म-दिवस	विरक्त संत स्वामी रामसुखदास जी
5 जुलाई 2007	पुण्य तिथि	हँसकर मृत्यु को अपनाने वाले अधीश जी
6 जुलाई 1905	जन्म-दिवस	नारी जागरण की अग्रदूत लक्ष्मीबाई केलकर
7 जुलाई 1657	जन्म-तिथि	मानवता के हमदर्द गुरु हरिकिशन जी
10 जुलाई 1923	जन्म-दिवस	संकल्प के व्रती : श्री जयगोपाल जी
11 जुलाई 1888	जन्म-तिथि	पहाड़ी गान्धी : बाबा काशीराम
12 जुलाई 1909	जन्म-दिवस	निर्बल की पीड़ा के फ़िल्मकार : विमल दा
13 जुलाई 1913	पुण्य तिथि	वेदों के मर्मग्य : डा. फतह सिंह
16 जुलाई 1935	जन्म-दिवस	सबके शंकराचार्य : श्री जयेन्द्र सरस्वती
20 जुलाई 1965	पुण्य तिथि	एक विस्मृत विप्लवी : बटुकेश्वर दत्त
23 जुलाई 1856	जन्म-तिथि	उग्रवाद के प्रणेता बाल गंगाधर तिलक
24 जुलाई 1824	बलिदान दिवस	नरसिंहगढ़ का शेर : कुंवर चैनसिंह
27 जुलाई 1939	बलिदान दिवस	वीर बालक शान्तिप्रकाश का बलिदान
31 जुलाई 1940	बलिदान दिवस	जलियाँवाला बाग़ नरसंहार के प्रतिशोधी शहीद ऊधम सिंह

एक विस्मृत विप्लवी : बटुकेश्वर दत्त

18 नवम्बर 1910 - 30 जुलाई, 1965

बटुकेश्वर दत्त भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महान क्रान्तिकारी थे। उन्हें भगत सिंह के साथ केंद्रीय विधान सभा में बम विस्फोट के बाद गिरफ्तार किए गया। उन्होंने आगरा में स्वतंत्रता आंदोलन को संगठित करने में उल्लेखनीय कार्य किया था।

उनका पैतृक गाँव बंगाल के 'बर्दवान ज़िले' में था, पर पिता 'गोष्ठ बिहारी दत्त' कानपुर में नौकरी करते थे। बटुकेश्वर ने 1925 ई. में मैट्रिक की परीक्षा पास की और तभी माता व पिता दोनों का देहान्त हो गया। इसी समय वे सरदार भगतसिंह और चन्द्रशेखर आज़ाद के सम्पर्क में आए और क्रान्तिकारी संगठन 'हिन्दुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसियेशन' के सदस्य बन गए। बम बनाने के लिए बटुकेश्वर दत्त ने खास ट्रेनिंग ली और इसमें महारत हासिल कर ली।

8 अप्रैल 1929 को दिल्ली स्थित केंद्रीय विधानसभा (वर्तमान में संसद भवन) में भगत सिंह के साथ बम विस्फोट कर ब्रिटिश राज्य की तानाशाही का विरोध किया। इन्हें कैद कर लिया गया और केस चला। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरू को फांसी हुई जबकि बटुकेश्वर दत्त को काला पानी की सज़ा। काला पानी की सजा के तहत उन्हें अंडमान की कुख्यात सेल्युलर जेल भेजा गया। सजा के दौरान ही उन्हें टीबी हो गया

था। 1938 में उनकी रिहाई हो गई। जल्द ही वे महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में कूद पड़े। उन्हें फिर गिरफ्तार कर लिया गया। चार साल बाद 1945 में वे रिहा हुए। देश की आजादी के बाद नवम्बर, 1947 में उन्होंने विवाह कर लिया और पटना में रहने लगे। लेकिन उनकी जिंदगी का संघर्ष जारी रहा। कभी सिगरेट कंपनी के एजेंट तो कभी टूरिस्ट गाइड बनकर उन्हें पटना की सड़कों की धूल छाननी पड़ी। बटुकेश्वर जी का बस इतना ही सम्मान हुआ कि पचास के दशक में उन्हें एक बार चार महीने के लिए विधान परिषद का सदस्य मनोनीत किया गया। बटुकेश्वर दत्त का जीवन निराशा में बीता और कुछ समय तक लंबी बीमारी से जूझते रहने के बाद अंततः 20 जुलाई 1965 को दिल्ली के AIIMS अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गयी।

पंजाब में फिरोजपुर के पास हुसैनीवाला बाग़ में उनका अंतिम संस्कार किया गया, जहाँ उनके साथी भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का भी अंतिम संस्कार किया गया था। ऐसे महानुभावों को कृतज्ञ राष्ट्र हमेशा याद करता है और प्रेरणा प्राप्त करता है। बटुकेश्वर दत्त का त्याग और बलिदान हमेशा इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

संकल्पव्रती जय गोपाल जी

10 जुलाई, 1923 - 2 अगस्त, 2005

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परम्परा में अनेक कार्यकर्ता प्रचारक जीवन स्वीकार करते हैं, पर ऐसे लोग कम ही होते हैं, जो बड़ी से बड़ी व्यक्तिगत या पारिवारिक बाधा आने पर भी अपने संकल्प पर दृढ़ रहते हैं। जयगोपाल जी ऐसे ही संकल्पव्रती थे।

उनका जन्म अविभाजित भारत (वर्तमान में पाकिस्तान) के एक प्रतिष्ठित परिवार में हुआ था। विभाजन से पूर्व छात्र जीवन में ही वे संघ के सम्पर्क में आ गये थे। उन्होंने हीवेट पॉलीटेक्निक कॉलिज, लखनऊ से प्रथम श्रेणी में स्वर्ण पदक के साथ अभियन्ता की परीक्षा उत्तीर्ण की। यहीं उनकी मित्रता भाऊराव देवरस से हुई। उसके बाद तो दोनों 'दो देह एक प्राण' हो गये। शिक्षा पूर्ण कर 1942 में वे संघ के प्रचारक बन गये। भारत विभाजन के समय जयगोपाल जी के परिवारजन भी खाली हाथ बरेली आ गये। संघ कार्य में नगर, जिला, विभाग प्रचारक के नाते उन्होंने उत्तर प्रदेश के कई स्थानों में संघ कार्य को प्रभावी बनाया। उन्होंने तीन वर्ष तक काठमाण्डू में भी संघ-कार्य किया।

1975 में देश में आपातकाल लागू होने पर उन्होंने भूमिगत रहकर अत्यन्त सक्रिय भूमिका निभाई और अन्त तक पकड़े नहीं गये। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रान्त प्रचारक श्री माधवराव देवड़े की गिरफ्तारी के बाद वे पूरे उत्तर प्रदेश में भ्रमण कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन करते रहे।

उन्होंने 1989 में क्षेत्र प्रचारक के नाते जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा दिल्ली का कार्य सँभाला। उस समय पंजाब में आतंकवाद चरम पर था और संघ की कई शाखाओं पर आतंकवादी हमले भी हुए थे। इन कठिन परिस्थितियों में भी वे अडिग रहकर कार्य करते रहे। स्वास्थ्य में खराबी के बाद भी वे लेह-लद्दाख जैसे क्षेत्रों में गये और वहाँ संघ कार्य का बीजारोपण किया।

जयगोपाल जी ने अपनी तकनीकी शिक्षा और डिग्री का पैसा कमाने में तो कोई उपयोग नहीं किया, पर उनकी विशेषज्ञता का लाभ लखनऊ संघ परिवार की अनेक संस्थाओं के भवनों, विद्या भारती मुख्यालय निराला नगर तथा संघ कार्यालय केशव भवन आदि के नक्शा निर्माण में अवश्य हुआ था। वृद्धावस्था में अन्य अनेक रोगों से ग्रस्त होने के कारण वे अपने भाई के घर पर दिल्ली चले गए थे जहाँ दो अगस्त, 2005 को उनका देहान्त हो गया।

उनके श्री चरणों में हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

विश्राम सदनों में जून-2023 में आने वाले नए रोगी व सहायक

क्र.स.	राज्य/देश	माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	KGMU लखनऊ	विश्राम सदन दिल्ली	IGIMS पटना	एम्स, झज्जर	योग
1	जम्मू कश्मीर			6		8	14
2	हिमाचल प्रदेश			2		3	5
3	पंजाब/चंडीगढ़	3		1	5	8	17
4	हरियाणा			44		387	431
5	दिल्ली	12	5	19	3	149	188
6	उत्तराखंड	5		17		36	58
7	उत्तर प्रदेश	2314	1018	178	2	670	4182
8	बिहार	1852	50	176	2086	104	4268
9	झारखण्ड	125	6	16	53	15	215
10	सिक्किम						
11	नागालैंड						
12	असम	6		3	3	5	17
13	मणिपुर /मिजोरम						
14	अरुणाचल प्रदेश					6	6
15	त्रिपुरा			1			1
16	मेघालय						
17	प. बंगाल	16		34	8	6	64
18	ओडिशा/अंदमान			13		3	16
19	आंध्रप्रदेश/तेलंगाना						
20	तमिलनाडु/पुदुच्चेरी						
21	कर्नाटक						
22	केरल						
23	महाराष्ट्र /गोवा/दमन	11		1		5	17
24	मध्य प्रदेश	79		64		38	181
25	छत्तीसगढ़	10		7		3	20
26	गुजरात						
27	राजस्थान		2	23	1	30	56
पड़ोसी देश							
1	नेपाल	21		10	21	1	53
2	बांग्लादेश			9			9
3	अन्य देश						
इस मास का योग		4454	1081	624	2182	1477	9818
योग (अप्रैल 23 - मार्च 24)		10397	3251	2050	6581	4357	26636
इस मास में प्रतिदिन की औसत उपस्थिति		414	137	280	244	534	1609

RNIN-UPHIN/2005/15853

स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प - लखनऊ

लखनऊ और उसके आस पास दी जाने वाली चिकित्सा सेवाओं का विवरण

सेवा बस्ती में स्वास्थ्य केंद्र	जून	अप्रैल 23 से
वेदांत आश्रम पपनामऊ चिनहट	0	0
सेवा समर्पण संस्थान, बिन्दौवा	97	330
गोपालपुरा	0	25
51 शक्तिपीठ, बक्शी का तालाब	40	129
अम्बेडकर नगर	0	0
माधव सेवा आश्रम	18	63
माधवराव देवड़े स्मृति रूग्ण सेवा केंद्र		
एलोपेथिक	396	1425
होम्योपैथिक	306	1014
रूग्ण सेवा केंद्र, माधव सेवा आश्रम	296	826
कुल लाभान्वित रोगी	**1153**	**3812**

नेत्र चिकित्सा (जून 2023)

	देवड़े नेत्र चिकित्सालय लखनऊ	अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	योग (अप्रैल 2023 से)
नेत्र परीक्षण	530	2711	10027
चश्मा वितरण	213	1904	6423
मोतियाबिंद पहचान	7	113	441
मोतियाबिंद सर्जरी	7	0	21
Fundus Test	147	0	424
OCT Test	7	0	53
पैथोलॉजी	50	0	189

आप भी लिखें :- सेवा संवाद के आप सुधी पाठक हैं, आपके विचार, सुझाव हमारे लिए सदैव प्रेरणादायी रहे हैं। सेवा सम्बन्धी आलेख (चित्र सहित), सेवा के प्रेरक प्रसंग, सेवा कार्य के उल्लेखनीय व्यक्तित्व, सेवा संस्थानों का परिचय एवं उनके कार्य, सेवा को प्रोत्साहित करने वाली घटनाएं, सुझाव आदि सामग्री तथा सेवा संवाद के प्रकाशित अंकों पर आप अपनी प्रतिक्रिया प्रेषित कर हमारा मार्गदर्शन व सहयोग करने का कष्ट करें- सम्पादक।

भाऊराव देवरस सेवा न्यास के प्रकल्प

प्रकल्प का नाम	संपर्क सूत्र	दूरभाष
स्वास्थ्य सेवा प्रकल्प, लखनऊ	श्री ओ.पी. श्रीवास्तव	9839785395
माधव सेवा आश्रम, लखनऊ	श्री शरद जैन	9670077777
विश्राम सदन, के.जी.एम.यू., लखनऊ	श्री जितेन्द्र अग्रवाल	9415003111
विश्राम सदन, एम्स, दिल्ली	श्री राजीव गुगलानी	9810262200
विश्राम सदन, आई.जी.आई.एम.एस., पटना	श्री नागेन्द्र प्रसाद सिंह	9431114457
विश्राम सदन, एम्स, झज्जर (हरियाणा)	श्री विकास कपूर	9818098600
माधव सेवा विश्राम सदन, ऋषिकेश	श्री संजय गर्ग	9837042952
महामना शिक्षण संस्थान, लखनऊ	श्री रंजीव तिवारी	9731525522
महामना शिक्षण संस्थान बालिका प्रकल्प, लखनऊ	डॉ अनिमा जम्वाल	9839582266
सामाजिक विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान, लखनऊ	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण	डॉ हरमेश चौहान	9450930087
देवड़े नेत्र चिकित्सालय, लखनऊ	श्री राजेश	9793120738
अशोक सिंघल नेत्र चिकित्सा संस्थान, अयोध्या	डॉ सुशील उपाध्याय	9554966006
सेवा संवाद (मासिक), लखनऊ	डॉ शिवभूषण त्रिपाठी	9451176775
सेवा चेतना (अर्धवार्षिक), लखनऊ	डॉ विजय कर्ण	8887671004
अक्षय सेवा, दिल्ली	श्री रामअवतार किला	9811052464
समर्थ भारत, दिल्ली	श्री शोनाल गुप्ता	9811190016
भारतीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र, दिल्ली	श्री गौरव गर्ग	9918532007

बुक पोस्ट
छपा-साहित्य

सेवा में,

मुद्रक एवं प्रकाशक : श्री जितेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा भाऊराव देवरस सेवा न्यास सी-91, निराला नगर, लखनऊ-226020 के लिए नूतन ऑफसेट मुद्रण केंद्र, संस्कृति भवन, राजेन्द्र नगर, लखनऊ-226002 से मुद्रित, भाऊराव देवरस सेवा न्यास, सी-91, निराला नगर, लखनऊ-262020 से प्रकाशित - सम्पादक : डॉ शिवभूषण त्रिपाठी